Serious irregularities in making ration cards in Chhattisgarh

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं सोनिया मैडम के आशीर्वाद से यहां पर आई हूँ और अपनी बात रख रही हूँ।

सर, दो साल पहले, हमारे देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी जब अपना भाषण दे रहे थे, तो मैं बहुत ध्यान से उनका भाषण सुन रही थी। वे अपने भाषण में कह रहे थे कि हमने 1 करोड़ 65 लाख राशन काड्र्स निरस्त किए। माननीय महोदय, यह निरस्तीकरण का खेल कैसे हुआ, वह मैं इस सदन को बताना चाहती हूँ।

हमारे छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव के ठीक 4 महीने पहले रक्षाबंधन के दिन मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की कि महिलाओं को सम्बल देने के लिए मैं महिलाओं के नाम से राशन काड्र्स बनवाऊँगा। उसी दिन से महिलाओं के नाम से राशन काड्र्स बनने शुरू हुए। एक घर में अगर 4 महिलाएँ हैं— सास, बहू, ननद और देवरानी, तो चारों के नाम से राशन काड्र्स बने। उनके अधिकारियों-कर्मचारियों ने कोई जांच नहीं की और कोई इन्क्वायरी नहीं हुई। 4 महीने बाद वहां चुनाव था। एक महीने का समय राशन काड्र्स बनने में लगा। पूरे छत्तीसगढ़ में बहुत बड़े पैमाने पर बिना जांच के राशन काड्र्स बने। उसके बाद उन राशन काड्र्स से सब लोगों ने दो बार राशन लिया। ठीक 4 महीने बाद चुनाव हुआ। छत्तीसगढ़ की सभी महिलाओं और भोली-भाली जनता ने समझा कि हमारे मुख्य मंत्री ने हमें शक्ति सम्पन्न बनाने के लिए, ताकत देने के लिए, बहुत बढ़िया काम किया। इससे सब लोग खुश हो गए और वहां इनकी सरकार बनाई। वहां इनकी सरकार बनी, इन्होंने शपथ ली। चुनाव के ठीक बाद इनके अधिकारियों ने घर-घर जाकर जांच शुरू की और सारे राशन काड्र्स काट दिए गए। ...(**व्यवधान**)...

माननीय महोदय, मैं बताना चाहूँगी कि अकेले छत्तीसगढ़ में 35 लाख राशन काड्र्स निरस्त हुए। यह बात मैं यहां पर इसलिए कह रही हूँ कि आने वाले 4 महीने बाद फिर से दूसरे स्टेट्स में, पंजाब में, उत्तर प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं। कुछ इसी प्रकार का खेल उन राज्यों में भी न हो, इस बात का ध्यान हमारे नेतागण रखें। आज भी छत्तीसगढ़ में जो योग्य व्यक्ति हैं, उनके राशन काड्र्स काट दिए गए हैं और जो राशन काड्र्स का हक़ नहीं रखते, जो उनके अधिकारी नहीं हैं, उन्हें आज राशन काड्र्स के माध्यम से राशन मिल रहा है। मैं इस सदन में इस बात की जांच करने की मांग करती हूँ, धन्यवाद। जय हिन्द।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

श्रीमती वानसुक साइम (मेघालय): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

डा. तज़ीन फातमा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

†**ڈاکٹر تزئین فاطمہ (اتّر پردیش):** مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبدّھ کرتی ہوں۔

श्री बी. के. हरिप्रसाद (कर्णाटक): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

---

† Transliteration in Urdu script.

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री रंजिब बिस्वाल (ओडिशा): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

†**چودھری منوّر سلیم (اتر پردیش):** مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبدّھہ کرتا ہوں۔

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Need to check the business of pornography and intoxicating medicines

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, आज मैं एक बहुत ही गम्भीर विषय की ओर इस सदन का ध्यान खींचना चाहता हूँ।

सर, हिन्दुस्तान के अन्दर जो संगठित अपराध चल रहे हैं, उन अपराधों में से एक नया खुलासा हुआ है कि हिन्दुस्तान में बहुत बड़े पैमाने पर pornography का एक कारोबार चालू हुआ है, जिसका शिकार हमारी बच्चियां हो रही हैं। सर, अभी कुछ दिन पहले electronic media में और अखबारों में इस बात का जिक्र हो रहा था कि हमारी जो भोली-भाली बच्चियां हैं, नादान लड़कियां हैं, उनको फँसाया जाता है, उनको बरबाद किया जाता है और उनकी वीडियोग्राफी की जाती है। उसके बाद, ऐसी एजेंसीज़ खुली हुई हैं, जो 20 से 25 हजार रुपये में उन वीडियोज़ को खरीद लेती हैं और बहुत ही आर्गेनाइज्ड तरीके से उनका कारोबार कर रही हैं।

सर, यह बहुत ही humiliating भी है और हिन्दुस्तान की संस्कृति तथा हिन्दुस्तान के समाज के लिए बहुत खतरनाक भी है। ऐसे ही, जो ड्रग्स का कारोबार चल रहा है, वह भी इन्हीं लोगों के द्वारा संचालित किया जा रहा है। अभी कुछ दिन पहले चर्चा चल रही थी और बहुत जिक्र हुआ कि पंजाब में ड्रग्स का बहुत कारोबार चल रहा है। सर, मुझे तो लगता है कि यह तो सिर्फ एक पहलू है। हिन्दुस्तान का कोई भी कोना इससे बचा हुआ नहीं है। आज हिन्दुस्तान की जो नौजवान आबादी है, बहुत बड़ी तादाद में यह नौजवान आबादी इस ड्रग्स माफिया और पॉर्न माफिया के निशाने पर है। हमारे बच्चे और बच्चियां, सभी इस चीज़ को भुगत रहे हैं। लेकिन सरकारें इन चीजों को isolation में solitary issues बना करके address कर रही हैं, इसलिए समाधान नहीं निकल रहा है।

सर, इससे जुड़ा हुआ एक और इश्यू है कि जो drug addicts हैं या जो पॉर्न के addict हैं, उन लोगों की निगाहों में महिलाओं का degradation हो चुका है और नन्ही बच्चियों के साथ बहुत बड़ी तादाद में जो atrocities हो रही हैं, जो हादसे सामने आ रहे हैं, उनके बारे में सुन कर लगता है कि हिन्दुस्तानियों का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। सर, ये सारे के सारे interrelated issues हैं। महिलाओं के साथ जो बहुत बड़े पैमाने पर atrocities हो रही हैं और atrocities ही नहीं हो रही हैं, बल्कि उनके साथ इतना नृशंस व्यवहार हो रहा है, जिसको बयान नहीं किया

† Transliteration in Urdu script.